खण्ड-427, अंक-1
शुक्रवार, 27 भाद्रपद, शक संवत् 1920
(18 सितम्बर, 1998 ई0)

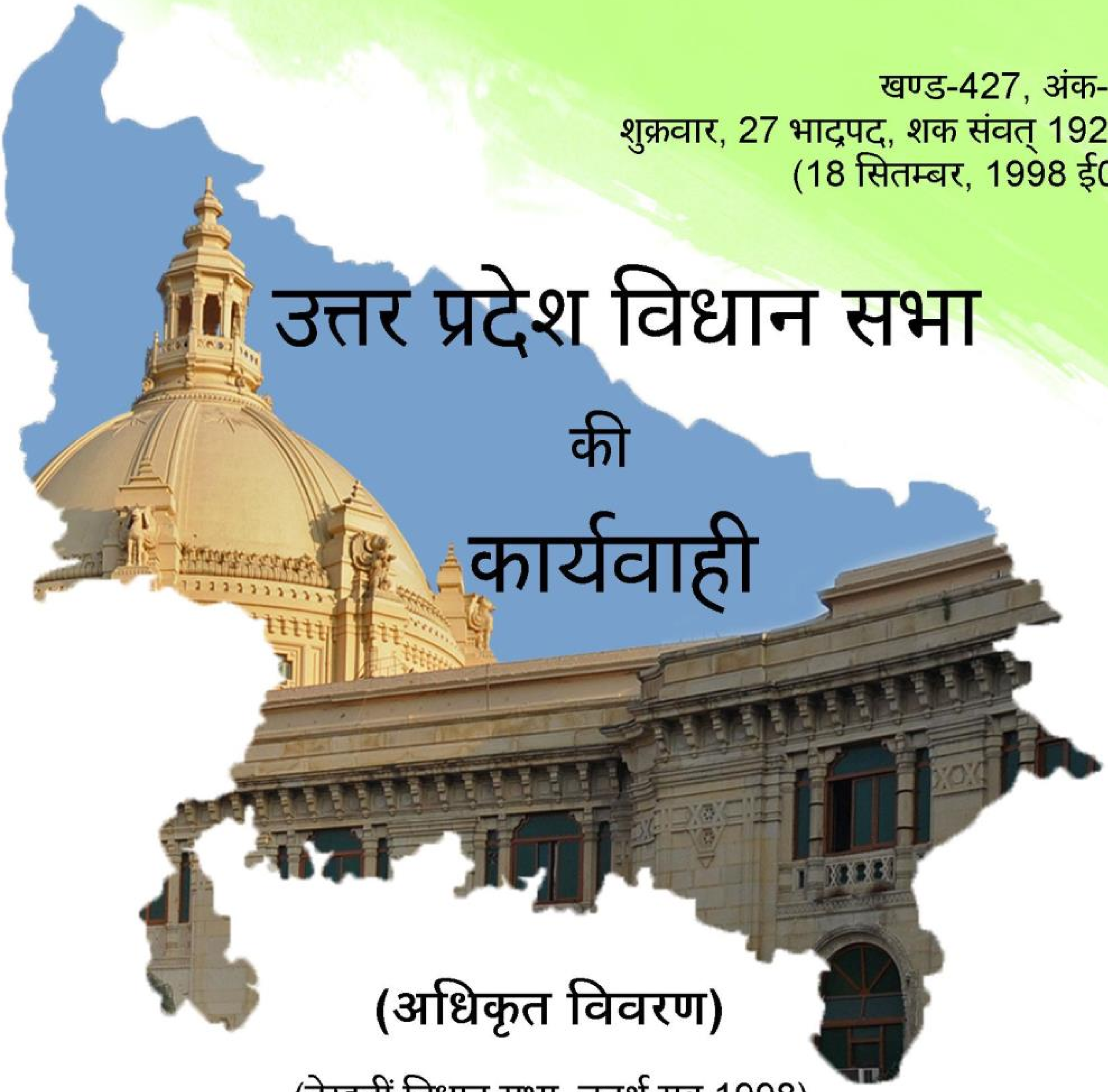

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(तेरहवीं विधान सभा, चतुर्थ सत्र 1998)

खण्ड 427 में 3 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
1998

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 21 रुपये |

विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	क–च
तेरहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची, महामहिम राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारियों तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	छ–ञ
उपस्थित सदस्य	ट–ड
राष्ट्रीय गीत	1
प्रदेश के खाद्य एवं रसद मंत्री श्री एज़ाज रिज़वी के निधन पर शोकोद्गार ...	1–8
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यगण श्री राम स्वरूप वर्मा, रईसउद्दीन वारिसी तथा अवधेश प्रताप मल्ल के निधन पर शोकोद्गार	8–14

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा के माननीय सदस्यों की सूची)

1–अकबर हुसैन, श्री	मुरादाबाद
2–अक्षयवर लाल, श्री	बहराइच
3–अखिलेश कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
4–अजय कुमार पोइया, श्री	मथुरा
5–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री	गोण्डा
6–अजय भट्ट, श्री	अल्मोड़ा
7–अजय राय, श्री	वाराणसी
8–अजित कुमार मेहरोत्रा, श्री	सीतापुर
9–अनीक अहमद, श्री	इलाहाबाद
10–अतुल कुमार, श्री	मेरठ
11–अनिल कुमार, श्री	बलिया
12–अनीस खां, श्री	पीलीभीत
13–अफजाल अंसारी, श्री	गाजीपुर
14–अफजाल अहमद, श्री	जौनपुर
15–अफरोज अली खां, श्री	रामपुर
16–अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती
17–अब्दुल कलाम, श्री	वाराणसी
18–अब्दुल खालिक, श्री	अलीगढ़
19–अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
20–अमर मणि, श्री	महराजगंज
21–अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ
22–अमीर आलम खान, श्री	मुजफ्फरनगर
23–अम्बरीष कुमार, श्री	हरिद्वार
24–अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
25–अम्मार रिजवी, डा०	सीतापुर
26–अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर
27–अरविन्द कुमार जैन, श्री	ललितपुर
28–अरविन्द गिरि, श्री	खीरी
29–अरिमर्दन सिंह, श्री	महोबा
30–अरुण प्रताप सिंह, श्री	सुल्तानपुर
31–अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच
32–अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
33–अशफाक अहमद, श्री	बरेली
34–अशोक कुमार, श्री	जौनपुर
35–अशोक कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
36–अशोक वाजपेई, डा०	हरदोई
37–अशोक यादव, श्री	फिरोजाबाद
38–आनन्द प्रकाश, श्री	पडरौना
39–आर० के० चौधरी, श्री	लखनऊ
40–आर० के० सिंह पटेल, श्री	बांदा
41–आलमबदी, श्री	आजमगढ़
42–इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
43–इन्द्रजीत सरोज, श्री	इलाहाबाद
44–इन्द्रदेव, श्री	बिजनौर
45–इलम सिंह, श्री	सहारनपुर
46–उदय राज यादव, श्री	उन्नाव
47–उमाकान्त यादव, श्री	जौनपुर
48–उर्मिला देवी, श्रीमती	मैनपुरी
49–उवैदुर्रहमान, श्री	गोण्डा
50–ओइमवेश, स्वामी	बिजनौर
51–ओंकार सिंह, श्री	एटा
52–ओमकार सिंह, श्री	बदायूं
53–ओम प्रकाश, श्री	एटा
54–ओम प्रकाश गुप्त, श्री	सीतापुर
55–ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
56–कमला प्रसाद रावत, श्री	बाराबंकी
57–कमलेश कुमार सिंह, श्री	बलरामपुर
58–कल्याण सिंह, श्री	अलीगढ़
59–कंवर पाल सिंह मास्टर, श्री	सहारनपुर
60–काजिम अली खां, उर्फ नवेद मियां, श्री	रामपुर

61–काजी मोहम्मद मुहिउद्दीन, श्री हरिद्वार
62–काशिम हसन, श्री फतेहपुर
63–काशीनाथ, श्री सुल्तानपुर
64–किशन लाल बघेल, सेठ आगरा
65–कृपा शंकर सिंह, श्री उन्नाव
66–कृष्ण चन्द्र पुनेठा, श्री पिथौरागढ़
67–कृष्णपाल सिंह, श्री कानपुर देहात
68–कृष्णा राज, श्रीमती खीरी
69–केदार सिंह फोनिया, श्री चमोली
70–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
71–केशव मेहरा, श्री आगरा
72–के० सी० सिंह, "बाबा" उधम सिंह नगर
73–कैलाश, श्री गाजीपुर
74–कैलाश सिंह राजपूत, श्री फर्रुखाबाद
75–कौकब हमीद, श्री मेरठ
76–कोविद कुमार, श्री शाहजहांपुर
77–कौशल किशोर, डा० खीरी
78–गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री आगरा
79–गंगा बख्श सिंह, श्री उन्नाव
80–गंगा सिंह चौहान, श्री हरदोई
81–गजेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री मेरठ
82–गणेश राजभर, श्री गाजीपुर
83–गुलाब देवी, श्रीमती मुरादाबाद
84–गोपाल कृष्ण, श्री पीलीभीत
85–गोमती यादव, श्री लखनऊ
86–गोरखनाथ पाण्डेय, श्री भदोही
87–गौरी देवी, श्रीमती गोरखपुर
88–गौरी शंकर (एडवोकेट), श्री लखनऊ
89–चन्द्र किशोर, श्री महराजगंज
90–चन्द्र नाथ सिंह, श्री प्रतापगढ़
91–चन्द्र पाल सिंह यादव, श्री झांसी
92–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री बहराइच
93–चन्द्रेश पासवान, श्री गोरखपुर
94–चेतराम, श्री शाहजहांपुर
95–छब्बू पटेल, श्री वाराणसी
96–छोटे लाल वर्मा, डा० महोबा
97–छोटे लाल, श्री हरदोई
98–छोटे लाल गंगवार, मास्टर बरेली
99–छोटे लाल राजभर, श्री बलिया
100–छोटे सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
101–जगपाल, श्री सहारनपुर
102–जगत पाल सिंह, मेजर मुरादाबाद
103–जगदम्बिका पाल, श्री बस्ती
104–जगदीश नारायण (मुन्ना), श्री जौनपुर
105–जगदीश सिंह राणा, श्री सहारनपुर
106–जटा शंकर, श्री बहराइच
107–जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
108–जय नारायन तिवारी, श्री सुल्तानपुर
109–जयपाल सिंह, श्री मेरठ
110–जय प्रकाश, श्री गाजियाबाद
111–जय प्रकाश निषाद, श्री देवरिया
112–जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
113–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री इटावा
114–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइया, श्री गोरखपुर
115–जोखू लाल यादव, श्री इलाहाबाद
116–ज्ञान चन्द, श्री उत्तरकाशी
117–ज्ञानवती सिंह, डा० अलीगढ़
118–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
119–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री जौनपुर
120–तारकेश्वर प्रसाद शुक्ल, श्री गोरखपुर
121–तिलकराज बेहड़, श्री उधम सिंह नगर
122–तेजभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
123–तोताराम, श्री मुरादाबाद
124–तौफीक अहमद, श्री सिद्धार्थनगर
125–ददू प्रसाद, श्री बांदा
126–दयाशंकर, श्री जालौन
127–दल बहादुर कोरी, श्री रायबरेली
128–दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
129–दिलीप कुमार, श्री बहराइच
130–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
131–दीपक कुमार, श्री उन्नाव
132–दीप लाल भारती, श्री पडरौना
133–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
134–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री कानपुर देहात

135–देवेन्द्र सिंह यादव, कुंवर एटा
136–धनराज यादव, श्री सिद्धार्थनगर
137–धनीराम वर्मा, श्री इटावा
138–धर्मज्ञ मिश्र, डा० हरदोई
139–धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
140–धर्मराज निषाद, श्री अम्बेडकर नगर
141–नन्दराम, श्री बरेली
142–नरेन्द्र सिंह, श्री आजमगढ़
143–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० इलाहाबाद
144–नरेन्द्र सिंह चौधरी, श्री कानपुर देहात
145–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री बुलन्दशहर
146–नरेन्द्र सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
147–नरेन्द्र सिंह सिशौदिया, श्री गाजियाबाद
148–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री हरदोई
149–नवाब सिंह नागर, श्री गाजियाबाद
150–नारायण राम दास, श्री अल्मोड़ा
151–निर्भय पाल शर्मा, श्री सहारनपुर
152–नीरज चतुर्वेदी, श्री कानपुर नगर
153–नेतराम सिंह, श्री एटा
154–"पटेल" राम कुमार वर्मा, श्री खीरी
155–परमानन्द दण्डी, स्वामी रामपुर
156–परवेज हलीम खां, श्री मेरठ
157–पीटर फैन्थम नाम-निर्देशित सदस्य
158–पीतम राम, श्री पीलीभीत
159–पूरन सिंह, बुन्देला, श्री ललितपुर
160–पूर्णमासी पंकज, श्री भदोही
161–प्रदीप कुमार, श्री मुजफ्फरनगर
162–प्रभा द्विवेदी, श्रीमती फर्रुखाबाद
163–प्रभु नारायन सिंह यादव, श्री वाराणसी
164–प्रमोद कुमार, श्री प्रतापगढ़
165–प्रेम पाल सिंह यादव, श्री बदायूं
166–प्रेम प्रकाश सिंह, श्री देवरिया
167–प्रेमलता कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
168–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री बदायूं
169–फतेह बहादुर, श्री महराजगंज
170–फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
171–फागू, श्री मऊ
172–बंश नारायण सिंह, श्री भदोही
173–बंशीधर भगत, श्री नैनीताल
174–बच्चूराम पटेल, श्री वाराणसी
175–बच्चा पाठक, श्री बलिया
176–बनवारी लाल दोहरे, श्री फर्रुखाबाद
177–बनारसी दास चन्दाना, श्री मेरठ
178–बी० आर० वर्मा, श्री जौनपुर
179–बांके लाल सोनकर, श्री जौनपुर
180–बादशाह सिंह, श्री हमीरपुर
181–बाबू खां, श्री हरदोई
182–बाबू राम, श्री जालौन
183–बाबू राम यादव, श्री मैनपुरी
184–चौधरी बाबू लाल, श्री आगरा
185–बाबू लाल कुरील, श्री उन्नाव
186–बाबू लाल कुशवाहा, श्री बांदा
187–बाल चन्द्र मिश्र, श्री कानपुर नगर
188–बालेश्वर त्यागी, श्री गाजियाबाद
189–बावन सिंह, श्री गोण्डा
190–बिजेन्द्र आर्य, श्री मुजफ्फरनगर
191–बिन्दु लाल, श्री गोण्डा
192–बिहारी लाल आर्य, श्री झांसी
193–बुनियाद हुसैन अंसारी, श्री सीतापुर
194–बेचन राम, श्री गोरखपुर
195–ब्रजेन्द्र पाल सिंह, श्री मुरादाबाद
196–भगवती प्रसाद, श्री कानपुर देहात
197–भगवान सिंह शाक्य, श्री बदायूं
198–भरत सिंह, श्री बलिया
199–भाई लाल, श्री मिर्जापुर
200–भारत सिंह रावत श्री गढ़वाल
201–भीम प्रसाद सोनकर श्री अम्बेडकर नगर
202–भोनू, श्री गाजीपुर
203–भोला शंकर मौर्य, श्री बदायूं
204–मंगल सिंह सैनी, श्री मुरादाबाद
205–मंजू, श्रीमती बलिया
206–मण्डलेश्वर सिंह, श्री आगरा
207–मतेश चन्द्र सोनकर, श्री इलाहाबाद
208–मथुरा प्रसाद, श्री कानपुर देहात
209–मलखान सिंह, श्री अलीगढ़
210–मस्तराम, श्री उन्नाव

211-महाराज सिंह यादव, श्री इटावा
212-महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा आगरा
213-महेन्द्र कुमार, श्री बुलन्दशहर
214-महेन्द्र कुमार, श्री सीतापुर
215-महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा० वाराणसी
216-महेन्द्र प्रसाद निषाद, श्री बांदा
217-महेन्द्र सिंह यादव, श्री बुलन्दशहर
218-मानवर सिंह कण्डारी, श्री टिहरी गढ़वाल
219-मानिक चन्द यादव, श्री मैनपुरी
220-माया प्रसाद, श्रीमती खीरी
221-मारकण्डेय चन्द, श्री गोरखपुर
222-मिथलेश कुमारी, श्रीमती एटा
223-मुख्तार अन्सारी, श्री मऊ
224-मुन्ना चौहान, श्री देहरादून
225-मुन्ना लाल मौर्य, श्री फतेहपुर
226-मुरलीधर, श्री फतेहपुर
227-मुराद लारी, श्री देवरिया
228-मुस्ताक सोलंकी, श्री कानपुर नगर
229-मुस्लिम, डा० रायबरेली
230-मुहर सिंह अम्बाडी, श्री इटावा
231-मूल चन्द, श्री बिजनौर
232-मोती लाल, श्री खीरी
233-मोहन सिंह रावत गांववासी, श्री गढ़वाल
234-मोहम्मद मुकीम, श्री सिद्धार्थनगर
235-यशपाल सिंह चौहान, श्री अलीगढ़
236-यशवंत, श्री आजमगढ़
237-योगेन्द्र कुमार, श्री बदायूं
238-योगेन्द्र सिंह सेंगर, श्री देवरिया
239-रंगनाथ मिश्र, श्री भदोही
240-रंग बहादुर पटेल, श्री इलाहाबाद
241-रघुनाथ सिंह चौहान, श्री अल्मोड़ा
242-रघुराज प्रताप सिंह "राजा भईया", कुंवर प्रतापगढ़
243-रघुवर दयाल वर्मा, श्री फिरोजाबाद
244-रणधीर सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
245-रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर पडरौना
246-रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
247-रमेश पोखरियाल "निशंक", डा० गढ़वाल
248-रमेश राही, श्री सीतापुर
249-रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो० मेरठ
250-रवीन्द्र प्रताप चौधरी, श्री सिद्धार्थनगर
251-रवीन्द्र शुक्ला, श्री झांसी
252-राकेश त्यागी, श्री बुलन्दशहर
253-राकेश धर त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
254-राकेश सोनकर, श्री कानपुर नगर
255-राजधारी, श्री बलिया
256-राजपाल त्यागी, श्री गाजियाबाद
257-राजपाल सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
258-राज राय सिंह, श्रीमती पीलीभीत
259-राजा गज़नफर अली खां, श्री बिजनौर
260-राजा राम पाण्डेय, श्री प्रतापगढ़
261-राजा राम पाल, श्री कानपुर देहात
262-राजीव कुमार सिंह, श्री बाराबंकी
263-राजेन्द्र, श्री गाजीपुर
264-राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री प्रतापगढ़
265-राजेन्द्र सिंह, श्री देहरादून
266-राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
267-राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
268-राजेश कुमार सिंह, श्री मुरादाबाद
269-राधेश्याम, श्री कानपुर देहात
270-राधेश्याम गुप्त, श्री फतेहपुर
271-राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
272-राधेश्याम सिंह, श्री पडरौना
273-राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकर नगर
274-राम अवतार मिश्रा, श्री शाहजहांपुर
275-राम आसरे पासवान, श्री बस्ती
276-राम आसरे सिंह कुशवाहा, डा० कानपुर नगर
277-राम औतार शाक्य, श्री मैनपुरी
278-राम कृपाल, श्री इलाहाबाद
279-राम खिलाड़ी, श्री बदायूं
280-राम चन्द्र मौर्य, श्री मिर्जापुर

281-राम चन्दर यादव, श्री — फैजाबाद
282-रामजग, श्री — आजमगढ़
283-रामतेज यादव, एडवोकेट — बहराइच
284-आचार्य रामदेव वैश्य, श्री — बाराबंकी
285-राम नक्षत्र, श्री — पडरौना
286-राम नरेश रावत, श्री — गाजियाबाद
287-राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
288-रामनाथ, श्री — प्रतापगढ़
289-रामपाल राजवंशी, श्री — सीतापुर
290-रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
291-रामपाल सिंह, श्री — गोण्डा
292-राम प्यारे सिंह, श्री — आजमगढ़
293-राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
294-राम प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
295-राम बाबू हरित, श्री — आगरा
296-राम रतन यादव, श्री — सुल्तानपुर
297-राम लखन, श्री — सुल्तानपुर
298-राम ललित चौधरी, श्री — बस्ती
299-राम विशुन आजाद, श्री — गोण्डा
300-रामवीर उपाध्याय, श्री — अलीगढ़
301-रामवीर सिंह, श्री — फिरोजाबाद
302-राम शंकर पाल, श्री — उन्नाव
303-राम सखी, श्रीमती — अलीगढ़
304-राम सिंह, डा० — अलीगढ़
305-राम सिंह, श्री — बुलन्दशहर
306-राम सिंह सैनी, श्री — हरिद्वार
307-राम सेवक सिंह, श्री — इलाहाबाद
308-राम सेवक सिंह, श्री — बदायूं
309-राम स्वरूप शर्मा, श्री — मथुरा
310-राम स्वरूप सिंह, श्री — बिजनौर
311-राम हर्ष सिंह, श्री — सुल्तानपुर
312-रामाधार सिंह, श्री — हमीरपुर
313-रामेश्वर दयाल वाल्मीकि, श्री — मैनपुरी
314-रामेश्वर सिंह यादव, श्री — एटा
315-रिफाकत हुसैन चौधरी, श्री — मुरादाबाद
316-रूप चौधरी, श्री — मेरठ
317-रेवती रमण सिंह उर्फ 'मणि', कुंवर — इलाहाबाद
318-लक्ष्मी कान्त वाजपेयी, डा० — मेरठ
319-लक्ष्मी नारायण चौधरी, श्री — मथुरा
320-लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
321-लवकुश कुमार, श्री — बिजनौर
322-लाखी राम जोशी, श्री — टिहरी गढ़वाल
323-लालजी टण्डन, श्री — लखनऊ
324-लालजी वर्मा, श्री — अम्बेडकर नगर
325-लालमणि प्रसाद, श्री — बस्ती
326-लाल सिंह वर्मा, श्री — इटावा
327-लोकपति त्रिपाठी, श्री — मिर्जापुर
328-वकार अहमद शाह, डा० — बहराइच
329-वसीम अहमद, श्री — आजमगढ़
330-वहोरन लाल मौर्य, श्री — बरेली
331-विक्रमाजीत मौर्य, श्री — इलाहाबाद
332-विजमा यादव, श्रीमती — इलाहाबाद
333-विजय कुमार, श्री — गाजीपुर
334-विजय पाल सिंह, श्री — आगरा
335-विजय प्रकाश, श्री — इलाहाबाद
336-विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
337-विद्या सागर गुप्ता, श्री — लखनऊ
338-विनय कुमार पाण्डेय "विन्नू", श्री — गोण्डा
339-विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह, श्री — गोण्डा
340-विनोद मणि, श्री — महराजगंज
341-विभूति प्रसाद निषाद, श्री — आजमगढ़
342-विरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
343-विरेन्द्र सिंह, श्री — वाराणसी
344-विरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री — बुलन्दशहर
345-विवेक कुमार सिंह, श्री — बांदा
346-विशन सिंह चुफाल, श्री — पिथौरागढ़
347-विशम्भर सिंह, श्री — मथुरा
348-विश्वनाथ, श्री — पडरौना
349-वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना, श्री — शाहजहांपुर
350-वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री — एटा
351-वेद प्रकाश, श्री — बस्ती
352-वेद प्रकाश सिंह, एम० एस०, डा० — बिजनौर

353–शब्बीर अहमद, श्री बहराइच
354–शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
355–शिव गणेश लोधी, एडवोकेट रायबरेली
356–शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
357–शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
358–शिव पूजन राम, श्री वाराणसी
359–शिव प्रताप शुक्ल, श्री गोरखपुर
360–शिव बहादुर सक्सेना, श्री रामपुर
361–शिव शंकर, श्री बांदा
362–शिव सिंह चक, श्री फिरोजाबाद
363–शिवा कान्त, श्री प्रतापगढ़
364–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महराजगंज
365–शिशुपाल सिंह यादव, श्री एटा
366–शेर बहादुर, श्री अम्बेडकर नगर
367–श्याम किशोर यादव, श्री लखनऊ
368–श्याम देव राय चौधरी, (दादा), श्री वाराणसी
369–श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
370–श्याम लाल रावत, श्री सीतापुर
371–श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
372–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
373–श्रीनिवास मणि, श्री देवरिया
374–श्रीराम पाल, श्री जालौन
375–श्रीराम, श्री मऊ
376–श्रीराम यादव, श्री जौनपुर
377–संग्राम सिंह, श्री बाराबंकी
378–संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
379–संजय सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
380–संदीप अग्रवाल, श्री मुरादाबाद
381–सतीश जतारिया, श्री झांसी
382–सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
383–सतीश शर्मा, श्री बुलन्दशहर
384–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री वाराणसी
385–सन्त, श्री गोरखपुर
386–सन्त राम सिंह, श्री जालौन
387–समर पाल सिंह, श्री मेरठ
388–सरजीत सिंह डंग, डा० मिर्जापुर
389–सरदार सिंह, श्री मथुरा
390–सरवर अली खां, श्री बाराबंकी
391–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री खीरी
392–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर मुरादाबाद
393–सिंहासन सिंह, श्री गाजीपुर
394–सीता राम निषाद, श्री फैजाबाद
395–सीमा द्विवेदी, श्रीमती जौनपुर
396–सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
397–सुखपाल पाण्डेय, श्री बस्ती
398–सुखवीर सिंह पुण्डीर, श्री सहारनपुर
399–सुधाकर सिंह, श्री मऊ
400–सुबोध चन्द्र श्रीवास्तव, श्री देवरिया
401–सुमन लता सिंह, श्रीमती बरेली
402–सुरेन्द्र नाथ अवस्थी, श्री बाराबंकी
403–सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री बरेली
404–सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
405–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
406–सुरेश चन्द्र आर्य, श्री उधम सिंह नगर
407–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री लखनऊ
408–सुशील शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
409–सुशीला अग्रवाल, श्रीमती मुजफ्फरनगर
410–सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
411–सूर्य भान सिंह, श्री सुल्तानपुर
412–सौलत अली एडवोकेट, श्री मुरादाबाद
413–स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री रायबरेली
414–हरदेव सिंह, श्री बाराबंकी
415–हरपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
416–हरवंश कपूर, श्री देहरादून
417–हरिनारायण, श्री बलिया
418–हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री सोनभद्र
419–हरि शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
420–हरि शंकर माहौर, श्री अलीगढ़
421–हरीश चन्द्र गंगवार, श्री बरेली
422–हरीश चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी", श्री वाराणसी
423–हीरा लाल गौतम, श्री आजमगढ़
424–हुकुम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
425–होराम सिंह, श्री बुलन्दशहर
426–रिक्त–

महामहिम राज्यपाल
श्री सूरजभान

मंत्रि-परिषद्

क्र०सं० नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1–श्री कल्याण सिंह (मुख्य मंत्री)	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, वित्त, न्याय, विधायी, राज्य सम्पत्ति, नागरिक उड्डयन, औद्योगिक विकास एवं प्रोटोकाल ।
2–श्री कलराज मिश्र	लोक निर्माण, पर्यटन
3–श्री लालजी टण्डन	आवास, नगर विकास
4–श्री ओम प्रकाश सिंह	सिंचाई, गन्ना विकास
5–श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी"	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण ।
6–श्री नरेश अग्रवाल	ऊर्जा
7–श्री दिवाकर विक्रम सिंह	कृषि
8–डा० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर	उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा ।
9–श्री चौधरी नरेन्द्र सिंह	ग्राम्य विकास
10–श्री रमापति शास्त्री	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
11–श्री मारकण्डेय चन्द	लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण ।
12–श्री रघुवर दयाल वर्मा	वन
13–डा० नैपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा, भाषा ।
14–श्री सूर्य प्रताप शाही	आबकारी
15–श्री राम कुमार वर्मा	सहकारिता

उत्तर प्रदेश विधान सभा

क्र०सं० नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
16–श्रीमती प्रेमलता कटियार	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार ।
17–श्रीमती प्रभा द्विवेदी	श्रम
18–श्री सरदार सिंह	वस्त्र उद्योग
19–श्री राधेश्याम गुप्ता	संस्थागत वित्त
20–श्री बाबू राम, एम०काम०	लघु उद्योग, निर्यात प्रोत्साहन ।
21–श्री हुकुम सिंह	संसदीय कार्य, पंजीयन, मनोरंजन कर, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क तथा खाद्य एवं रसद ।
22–श्री शिव प्रताप शुक्ल	कारागार
23–श्री बच्चा पाठक	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा
24–श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही	राजस्व
25–श्री हरिशंकर तिवारी	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
26–श्री मण्डलेश्वर सिंह	क्षेत्रीय विकास एवं परती भूमि विकास
27–श्री राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह	राष्ट्रीय एकीकरण एवं इलेक्ट्रानिक्स
28–डा० रमेश पोखरियाल "निशंक"	उत्तरांचल विकास
29–श्री चौधरी लक्ष्मीनारायण	उद्यान
30–श्री श्याम सुन्दर शर्मा	खेलकूद, युवा कल्याण प्रान्तीय विकास दल ।
31–श्री शिवाकान्त ओझा	चिकित्सा शिक्षा
32–श्री सरस्वती प्रताप सिंह	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन एवं नागरिक सुरक्षा ।
33–श्री फागू चौहान	संस्कृति एवं पूर्त धर्मस्व
34–श्री राजाराम पाण्डेय	खादी एवं ग्रामीण उद्योग
35–श्री राजा रघुराज प्रताप सिंह	कार्यक्रम कार्यान्वयन
36–श्री जय नारायन तिवारी	सार्वजनिक उद्यम

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री सुन्दर सिंह बघेल	दुग्ध विकास
2	श्री रवीन्द्र शुक्ल	बेसिक शिक्षा
3	श्री गोरख प्रसाद निषाद	पशुधन
4	श्री महेन्द्र नाथ पाण्डे	नियोजन
5	श्री धर्मपाल सिंह	पंचायती राज
6	श्री जयपाल सिंह	बाढ़ नियंत्रण
7	श्री देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह	परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण।
8	श्री अशोक यादव	अभाव तथा सहायता एवं पुनर्वास
9	श्री राधेश्याम कोरी	अम्बेडकर ग्राम विकास एवं सेवायोजन
10	श्री राजा गजनफर अली	अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज

राज्य मंत्री

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
1	श्री बालेश्वर त्यागी	वित्त
2	श्री फतेह बहादुर सिंह	औद्योगिक विकास
3	श्री सुखपाल पाण्डेय	परिवहन
4	श्री राम प्रसाद कमल	लोक निर्माण
5	श्री दलवीर सिंह	पर्यटन
6	श्री सुरेश खन्ना	आवास
7	श्री सतीश महाना	नगर विकास
8	श्री धनराज यादव	सिंचाई
9	श्री मंगल सिंह सैनी	गन्ना विकास एवं चीनी मिलें
10	श्री दल बहादुर कोरी	समाज कल्याण
11	श्री राम आसरे कुशवाहा	अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण
12	श्री लल्लू सिंह चौहान	ऊर्जा
13	श्री भगवान सिंह शाक्य	कृषि
14	श्री वीरेन्द्र सिंह	कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान
15	श्री राकेश धर त्रिपाठी	उच्च शिक्षा
16	श्री यशवन्त सिंह	प्राविधिक शिक्षा
17	श्री शिवेन्द्र सिंह	ग्राम्य विकास
18	श्री बंश नारायण सिंह पटेल	ग्राम्य विकास

उत्तर प्रदेश विधान सभा

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
19	डा० अरविन्द कुमार जैन	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
20	श्री राम आसरे पासवान	लघु सिंचाई
21	श्री राजेन्द्र सिंह पटेल	ग्रामीण अभियंत्रण
22	श्री रंग नाथ मिश्र	वन
23	श्री चन्द्र किशोर	माध्यमिक शिक्षा
24	श्री विक्रमाजीत मौर्य	आबकारी
25	श्री रामचन्द्र बाल्मीकि	सहकारिता
26	श्रीमती गुलाब देवी	महिला कल्याण
27	श्री वेद प्रकाश	श्रम
28	श्री प्रेम प्रकाश सिंह	वस्त्रोद्योग
29	श्री बहोरन लाल मौर्य	संस्थागत वित्त
30	श्री बिहारी लाल आर्य	लघु उद्योग
31	श्री राकेश त्यागी	पंजीयन
32	श्री शिव गणेश लोधी	खाद्य एवं रसद
33	श्री हरि नारायण राजभर	कारागार
34	श्री विवेक कुमार सिंह	पर्यावरण
35	श्री रामपाल राजवंशी	अतिरिक्त ऊर्जा
36	श्री शिव शंकर सिंह	राजस्व
37	श्री सतीश शर्मा	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
38	श्री संग्राम सिंह	क्षेत्रीय विकास
39	श्री श्रीराम सोनकर	राष्ट्रीय एकीकरण
40	श्री मातवर सिंह कण्डारी	उत्तरांचल विकास
41	श्री बंशीधर भगत	उत्तरांचल विकास
42	श्री नारायण रामदास	उत्तरांचल विकास
43	श्री अमर मणि त्रिपाठी	युवा कल्याण
44	श्री गंगा बख्श सिंह	चिकित्सा शिक्षा
45	श्री विनय पाण्डेय	होमगार्ड्स
46	श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल	संस्कृति
47	श्री रामलखन पासी	खादी एवं ग्रामीण उद्योग
48	श्री मुन्ना लाल मौर्य	उद्यान

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा)

शुक्रवार, दिनांक 18 सितम्बर, 1998 ई०

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :–

अकबर हुसैन, श्री	मुरादाबाद
अक्षयवर लाल, श्री	बहराइच
अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री	गोण्डा
अजय राय, श्री	वाराणसी
अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद
अनीस खां, श्री	पीलीभीत
अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती
अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर
अशोक यादव, श्री	फिरोजाबाद
आर०के० चौधरी, श्री	लखनऊ
आर०के०सिंह पटेल, श्री	बांदा
इंद्रजीत सरोज, श्री	इलाहाबाद
इलम सिंह, श्री	सहारनपुर
कंवर पाल सिंह मास्टर, श्री	सहारनपुर
काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, श्री	रामपुर
काजी मोहम्मद मुहिउद्दीन, श्री	हरिद्वार
किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
कृष्णपाल सिंह, श्री	कानपुर देहात
के०सी० सिंह, ''बाबा''	उधम सिंह नगर
कौकब हमीद, श्री	मेरठ
गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री	आगरा
गणेश राजभर, श्री	गाजीपुर
चन्द्रपाल सिंह यादव, श्री	झांसी
चन्द्रेश पासवान, श्री	गोरखपुर
छोटेलाल राजभर, श्री	बलिया
जगपाल, श्री	सहारनपुर
जगदीश नारायण (मुन्ना), श्री	जौनपुर
दल बहादुर कोरी, श्री	रायबरेली
दिवाकर विक्रम सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
दीपलाल भारती, श्री	पडरौना
धर्मराज निषाद, श्री	अम्बेडकरनगर
निर्भय पाल शर्मा, श्री	सहारनपुर
नेतराम सिंह, श्री	एटा
परमानन्द दण्डी, स्वामी	रामपुर
पूरन सिंह बुन्देला, श्री	ललितपुर
प्रेम स्वरूप पाठक, श्री	बदायूं
फरीद महफूज किदवई, श्री	बाराबंकी
बी० आर० वर्मा, श्री	जौनपुर
बादशाह सिंह, श्री	हमीरपुर
बाबू लाल कुशवाहा, श्री	बांदा
बुनियाद हुसैन अंसारी, श्री	सीतापुर
भगवती प्रसाद, श्री	कानपुर देहात
मनेश चन्द्र सोनकर, श्री	इलाहाबाद
महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा०	वाराणसी
महेन्द्र पाल निषाद, श्री	बांदा
महेन्द्र सिंह यादव, श्री	बुलन्दशहर
मानिक चन्द्र यादव, श्री	मैनपुरी
माया प्रसाद, श्रीमती	खीरी
मुख्तार अन्सारी, श्री	मऊ
मुरलीधर, श्री	फतेहपुर
मुराद लारी, श्री	देवरिया
मुहर सिंह अम्बाडी, श्री	इटावा
राजा राम पाल, श्री	कानपुर देहात
राजेन्द्र, श्री	गाजीपुर
राम अचल राजभर, श्री	अम्बेडकरनगर
राम नरेश रावत, श्री	गाजियाबाद
रामनाथ, श्री	प्रतापगढ़
राम प्रसाद चौधरी, श्री	बस्ती
राम बाबू हरित, श्री	आगरा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राम ललित चौधरी, श्री	बस्ती
रामवीर उपाध्याय, श्री	अलीगढ़
राम शंकर पाल, श्री	उन्नाव
राम सिंह, श्री	बुलन्दशहर
राम सेवक सिंह, श्री	इलाहाबाद
लवकुश कुमार, श्री	बिजनौर
लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
लालजी वर्मा, श्री	अम्बेडकरनगर
लालमणि प्रसाद, श्री	बस्ती
विजय कुमार, श्री	गाजीपुर
विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह, श्री	गोण्डा
विभूति प्रसाद निषाद, श्री	आजमगढ़
विशम्भर सिंह, श्री	मथुरा
वेद प्रकाश सिंह, एम०एस०, डा०	बिजनौर
शिव चरण प्रजापति, श्री	हमीरपुर
श्याम प्रकाश, श्री	हरदोई
श्याम सुन्दर, श्री	रायबरेली
श्री राम पाल, श्री	जालौन
संग्राम सिंह, श्री	बाराबंकी
संजय गर्ग, श्री	सहारनपुर
सतीश जतारिया, श्री	झांसी
सरजीत सिंह डंग, डा०	मिर्जापुर
सुखपाल पाण्डेय, श्री	बस्ती
सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री	लखनऊ
स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	रायबरेली
हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री	सोनभद्र
हीरालाल गौतम, श्री	आजमगढ़

उत्तर प्रदेश विधान सभा

नेता, विरोधी दल

श्री धनी राम वर्मा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी

तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

रिक्त

सचिव

श्री प्रेम चन्द्र सक्सेना

अधिष्ठाता मण्डल

1–डा० सरजीत सिंह डंग, सदस्य, विधान सभा (मिर्जापुर),

2–श्री बाल चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा (कानपुर नगर),

3–श्री निर्भय पाल शर्मा, सदस्य, विधान सभा (सहारनपुर),

4–श्री केदार सिंह फोनिया, सदस्य, विधान सभा (चमोली),

5–श्री लालजी वर्मा, सदस्य विधान सभा (अम्बेडकरनगर),

6–डा० अशोक बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (हरदोई),

7–श्री मुन्ना चौहान, सदस्य, विधान सभा (देहरादून),

8–श्री गौरी शंकर एडवोकेट, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर),

9–श्री कौकब हमीद, सदस्य, विधान सभा (मेरठ) ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 18 सितम्बर, 1998

(विधान सभा की बैठक विधान सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।)

राष्ट्रीय-गीत

श्री अध्यक्ष–

विधान सभा के इस विशेष सत्र में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत है । अब आज की कार्यवाही "वन्दे मातरम्" से प्रारम्भ होती है ।

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
सुजलाम ।
सुफलाम ।
मलयज शीतलाम् ।
शस्य श्यामलाम् ।
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्
सुहासिनीम्
सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम,
वरदाम्
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

प्रदेश के खाद्य एवं रसद मंत्री श्री एजाज रिजवी के निधन पर शोकोद्गार

* मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

श्रीमन्, आज बड़ी गहरी वेदना के साथ इस माननीय सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे बीच से उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद मंत्री उठ गये । उनका जीवन राजनीतिक दृष्टि से, सामाजिक दृष्टि से, वकील होने के नाते, विधि विशेषज्ञ होने के नाते बड़ा प्रभावशाली जीवन था । सर्वमुखी प्रतिभा के वह धनी थे । वैसे तो हम सब जानते हैं कि जो आया वह जायेगा, राजा और फकीर परन्तु कुछ लोगों के उठ जाने से जो रिक्तता उत्पन्न होती है उसका भरा जाना बहुत कठिन होता है । समय बहुत लगता है फिर भी यह आवश्यक नहीं है कि ऐसे व्यक्ति फिर हों । ऐसे व्यक्तियों के उठ जाने से जो रिक्तता, शून्यता निर्मित होती है उसे आसानी से भरा नहीं जा सकता है । माननीय एजाज रिजवी का निधन 11 सितम्बर, 1998 को 61 वर्ष की अवस्था में हुआ । उनका जन्म हरदोई जनपद में 5 जुलाई, 1937 को हुआ था । शिक्षा की दृष्टि से उन्होंने एम०ए० किया, एल-एल०बी०, डी०पी०ए०, डी०यू०जी०ए० तथा पी०जी०डी०सी० किया । हिन्दी, उर्दू और फारसी की अनेक सम्मान जनक उपलब्धियां उन्होंने प्राप्त की थीं । 1991, 1992 तथा 1998 में वह विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुए । वह उच्च न्यायालय के अभिवक्ता रहे । वह लखनऊ नगर महापालिका के उपाध्यक्ष रहे और वह

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

अनेक सामाजिक, शैक्षिक संस्थाओं से वह जुड़े रहे । वह भारतीय जनता पार्टी के बहुत सक्रिय और जुझारू कार्यकर्ता रहे । वह प्रखर राष्ट्रवादी विचारधारा के पुरोधा थे । उनके उठ जाने से पार्टी के नाते बहुत बड़ी गहरी क्षति हुई है । लगातार 11 वर्षों तक वह भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सम्मानित सदस्य रहे । भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर रहकर उन्होंने कार्य किया इसके पहले भी स्वर्गीय रिजवी कई बार उत्तर प्रदेश के मंत्रि-मण्डल में खाद्य और रसद मंत्री के रूप में कार्य करते रहे । वह एक देश प्रेमी थे । पंथ निरपेक्षता न केवल उनके विचारों में बल्कि उनके आचरण और व्यवहार में परिलक्षित होती थी । अपनी बात को कहने में सदैव इन्होंने दृढ़ता का परिचय दिया । इस बात की कभी उन्होंने चिन्ता नहीं की कि कौन उनकी बात से नाराज होगा और कौन उनकी बात से खुश होगा । तर्क की कसौटी पर सदैव उन्होंने अपनी बात को रखा । आज उन जैसे व्यक्तित्व के उठ जाने से केवल उनके परिवार की ही क्षति नहीं हुई बल्कि समूचे प्रदेश की क्षति हुई है । सामाजिक क्षेत्र मे क्षति हुई, राजनीतिक क्षेत्र में क्षति हुई बल्कि अनेक संस्थाओं से वह जुड़े रहे थे उन क्षेत्रों में भी क्षति हुई है । यह जानकर मैं बड़ा प्रभावित हुआ जब उनके जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त हुई और मुझे बताया गया कि उन्होंने अपने जीवन के कैरियर का प्रारम्भ रिक्शा चलाकर किया यह जानकर मुझे उनके प्रति गहरी श्रद्धा पैदा हो गयी, मैंने और भी जानकारी करने की कोशिश की उनका जीवन संघर्ष का जीवन रहा, एक प्रकार से तपस्या जैसा जीवन रहा । वह आमतौर से कम बोलते थे लेकिन किसी मंच से या कभी यहां बोलने का अवसर उनको मिला तो अपनी बात को तर्कों के साथ सदैव रखा । उनकी बातों का श्रोताओं पर बड़ा गहरा प्रभाव पड़ता था, क्योंकि जो बात वह बोलते थे वह अन्तःकरण से बोलते थे । जब अनेक वाद चल रहे हों उन सभी वादों से मुक्त होकर उन जैसे व्यक्ति ने राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रभावित होकर अपनी बातों को रखा । सामाजिक क्षेत्र में उन्होंने विशेष स्थान प्राप्त किया । राजनैतिक क्षेत्र में भी उन्होंने ऊंचाइयों को स्पर्श किया । इस अवसर पर हम सभी दुखी हैं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे । उनके शोकाकुल परिवार को चूंकि हम सब अपने को उनके परिवार का अंग मानते हैं इसलिए हम सभी को इस गहरे दुख को सहन करने की क्षमता दे, धैर्य प्रदान करे । इन्हीं शब्दों के साथ स्व० एजाज रिजवी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

* नेता विरोधी दल(श्री धनीराम वर्मा)–

श्रीमन्, स्व० एजाज रिजवी के संबंध में जो शोक भावनायें नेता सदन ने प्रकट की हैं मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुए दुख भरे शब्दों में यह कहना चाहता हूं कि आज एजाज रिजवी इस सदन में नहीं हैं । वह कई बार इस सदन में मंत्री के रूप में उपस्थित रहे । उनकी कार्य शैली से हम सब भलीभांति वाकिफ हैं । वैसे तो संसार में प्रतिदिन प्रति क्षण बहुत से लोग विदा होते हैं लेकिन कुछ एक ऐसे व्यक्ति हुआ करते हैं जिनके संबंध में हम दुःख प्रकट करते हैं उनके जाने पर दुख और पैदा होने पर प्रसन्नता प्रकट करते हैं । जन्म दिन मनाते हैं । आज रिजवी साहब के स्वर्गवास पर हम बहुत दुखी हैं । उनकी सामाजिक सेवायें और उनकी राजनैतिक सेवायें हमारे देश और प्रदेश तथा इस समाज के लिए बहुत ही मूल्यवान थीं और यह भी सही है कि जो जिसके जितने निकट होता है, उसके बिछोह में वह उतना ही दुखी होता है । क्योंकि रिजवी साहब हम लोगों के निकट थे, हमारे परिवार के व्यक्ति थे इसलिए हम लोगों का अन्य लोगों से अधिक दुखी होना स्वाभाविक है । हमारे परिवार के व्यक्ति के नाते हम यह कहना चाहते हैं कि स्व० रिजवी साहब बड़ी उम्र में नहीं, इसे हम छोटी ही उम्र कहेंगे, 61 वर्ष में हमसे जुदा हो गये और इस 61 वर्ष में उन्होंने जो आदर्श रखा, जैसा कि अभी हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने बतलाया कि उन्होंने अपने जीवन का रास्ता एक रिक्शा चालक से शुरू किया, सचमुच बहुत से लोग याद आ जाते हैं, जिन्होंने इस तरह से स्वयं अपना कैरियर बनाया और स्वयं कुंआ खोद कर पानी पिया, ऐसे कम ही लोग इस संसार में दिखायी देते हैं ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

स्व० रिजवी साहब एक योग्य व्यक्ति थे, कई भाषाओं के ज्ञाता थे । हिन्दी और उर्दू की जानकारी तो उनको थी ही, अंग्रेजी की भी उनको काफी जानकारी थी । बहुत सी उपाधियां उन्होंने अर्जित कीं, उन्होंने एम० ए०, एल०-एल०बी, डी०पी०ए०, यू० जी०ए०, पी०जी०डी०सी० की उपाधियां अर्जित की थीं । हिन्दी, उर्दू और फारसी में भी कई उपाधियां प्राप्त की थीं । श्रीमन्, वह हाई कोर्ट के वकील भी थे और राजनीतिज्ञ भी थे । मैं यहीं पर यह कहना चाहता हूं कि जो व्यक्ति स्वयं अपने कैरियर को बनाता है, उसका अनुभव अन्य लोगों से और ऐसे लोगों से जो किसी के सहारे आगे बढ़ते हैं, उनसे ज्यादा होता है । उनका कार्य सर्वदा प्रशंसनीय रहा है । मैं अपने दल की ओर से और अपनी ओर से तथा समस्त विधान सभा की ओर से ईश्वर से प्रार्थना कर रहा हूं कि स्वर्गीय रिजवी साहब की आत्मा को शास्वत शान्ति और उनके परिवारजनों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करे और आपसे निवेदन करूंगा कि हमारी ये भावनायें उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

* लघु सिंचाई ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द)–

मान्यवर, श्री एजाज रिजवी के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष ने जो दुख भरे विचार व्यक्त किये हैं, मैं अपने तथा अपने दल को उससे सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, 11 सितम्बर, 1998 को अपोलो अस्पताल में उनकी हृदय गति रुक जाने से जो उनका आकस्मिक निधन हो गया उसकी सूचना जब लखनऊ में पहुंची तो सारे लोग हतप्रभ हो गये । कुछ ही दिन पूर्व हम लोगों से मिलकर के वह अपनी चिकित्सा के लिए अपोलो अस्पताल में दाखिल हुए थे । उन्होंने वहां पर हम लोगों से मुलाकात भी की थी । वे अच्छे खासे स्वस्थ्य नजर आ रहे थे । लेकिन इसके पूर्व उनके हृदय की शल्य चिकित्सा हुई थी । यह संयोग रहा कि आज वह हमारे बीच में नहीं हैं । श्री रिजवी साहब 1937 में हरदोई के सण्डीला कस्बे में पैदा हुए थे । रिजवी साहब एक उच्च शिक्षा प्राप्त अनेक भाषाओं के ज्ञाता थे । हिन्दी उर्दू के अनेक सम्मानजनक उपाधियों से अलंकृत व्यक्ति थे ।

माननीय उच्च न्यायालय में वे एक कुशल अधिवक्ता के रूप में थे । रिजवी साहब सर्वप्रथम 91, 92 एवं 98 में विधान सभा क्षेत्र से विधान परिषद् के सुयोग्य सदस्य थे । माननीय वर्तमान मुख्य मंत्री की सरकार में 91 में वे मंत्रि-परिषद् के सदस्य थे । वे एक सरल स्वभाव के व्यक्ति थे । विभाग भी उनके पास महत्वपूर्ण था । कभी कोई माननीय सदस्य उचित कार्यों के लिए उनके पास जाता तो निराश नहीं आता था । सम्मानित ढंग से वे बात सुनते थे । इधर हम लोगों को इस सरकार में व इसके पूर्व की सरकार में मंत्रि-परिषद् में जो उनका साथ रहा उससे हमने व्यक्तिगत तौर से यह पाया कि वे एक सुलझे और कुशल प्रशासक हैं । आज उनके निधन से उत्तर प्रदेश विधान सभा के महत्वपूर्ण सदस्य की रिक्तता से हम सब दुखी हैं । मुझे एक अवसर पर सुन्नी कालेज के एक कार्यक्रम में उनके साथ बैठने का अवसर मिला था । धर्म निरपेक्षता के सम्बन्ध में जो उनका ज्ञान था, उनके विचार थे मैं उनसे इतना प्रभावित हुआ कि मैं कल्पना नहीं कर सकता था कि एजाज रिजवी साहब इतने प्रगतिशील विचार के धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वाले ऐसे विचारक हैं । मेरे मन में यह आया था कि मैं आगामी चुनाव में अपने विधान सभा के चुनाव में रिजवी साहब के इन विचारों का लाभ उठाऊंगा लेकिन दुर्भाग्य है कि मैं इससे वंचित रह गया । आज हम सब दुखी हैं । ऐसे मौके पर हम अपने को तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति हृदय से दुखी हैं और उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारे तथा हमारे दल की ओर से शोक सम्वेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

ऊर्जा मंत्री (श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल)-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता जनतान्त्रिक बसपा ने जो शोक सम्वेदनायें माननीय एजाज रिजवी जी के प्रति प्रकट की हैं, मैं उससे अपने को अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। श्री एजाज रिजवी जी मेरे ही जनपद में पैदा हुए थे। एक गरीब परिवार में जन्म लेने के बाद वे एक दृढ़संकल्पी थे। गरीबी से लड़ते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की और लखनऊ उच्च न्यायालय की पीठ में उन्होंने वकालत शुरू की, साथ ही साथ राजनीति में प्रवेश किया और लखनऊ नगरपालिका के सभासद से उन्होंने राजनीति की शुरुवात की और इस प्रदेश के मंत्रि-परिषद् के सदस्य रहे। श्री एजाज रिजवी साहब भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता को लेकर यह सिद्ध कर दिया कि कोई दल साम्प्रदायिक नहीं होता है इस परिभाषा को उन्होंने नई दिशा दी आज उनके न रहने से इस दिशा को आघात पहुंचा है। मेरा उनसे निकट का सम्बन्ध रहा है अक्सर मैं उनके परिवार में जाता था। जिस वक्त रिजवी साहब का निधन हुआ मैं विदेश में था मुझे बहुत आघात लगा। आपसे मेरा व्यक्तिगत रूप से अनुरोध है कि मेरी तथा मेरे दल की शोक सम्वेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। ईश्वर से यह प्रार्थना है कि उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

* श्री प्रमोद कुमार-

माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के पूर्व खाद्य मंत्री श्री एजाज रिजवी साहब के निधन पर माननीय नेता सदन और माननीय नेता विपक्ष ने जो विचार रखे हैं उससे अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। रिजवी साहब को चूंकि इस सदन में हम लोगों ने कार्य करते हुए देखा है इसलिए उनके बारे में निश्चित रूप से यह बात सहज ही कही जा सकती है कि वह अत्यन्त विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे, वह सबके लिए उपलब्ध रहते थे। उनकी विनम्रता, सहजता सदैव याद रहेगी। प्रकृति का नियम है जो आता है उसे जाना पड़ता है, लेकिन कुछ लोग अपने कार्यों के द्वारा सदैव याद किये जाते हैं। रिजवी साहब साधारण व्यक्ति के संघर्ष की गाथा हैं जो साधारण परिवार में पैदा होकर मंत्रि-मण्डल में स्थान पा सके। हम उनकी विनम्रता और सहजता को सदैव याद करते रहेंगे। मान्यवर, हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

*श्री समरपाल सिंह-

मान्यवर, माननीय नेता सदन और माननीय नेता विरोधी दल और दूसरे माननीय नेताओं ने एजाज रिजवी साहब के प्रति जो शोक संवेदायें और जो विचार रखे हम अपने को और अपने दल को उससे सम्बद्ध करते हैं। आज हम सबको दुख है माननीय रिजवी साहब हमारे बीच में नहीं हैं वह कुशल राजनीतिज्ञ सरल विचारों के विचारवान व्यक्ति थे। उनका व्यक्तित्व प्रेरणादायक था। मेरा लम्बे समय से उनसे व्यक्तिगत सम्बन्ध था। जब म राजनीति में नहीं था मैं छात्र जीवन में था तब से उनका मेरा व्यक्तिगत सम्बन्ध था। उनके साथ बैठने और उनके विचार जानने का मुझे अवसर मिला इसमें कोई शक नहीं है कि शिक्षित होने के साथ-साथ वह दृढ प्रतिज्ञ व्यक्तित्व दूसरों के लिए प्रेरणादायक थे। उनके आकस्मिक निधन से प्रदेश के राजनीतिक, सामाजिक जीवन में अपूर्णनीय क्षति हुई है मैं अपने तथा अपने दल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव-

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य तथा रसद मंत्री माननीय श्री एजाज रिजवी साहब आज हम लोगों के बीच में नहीं रहे। उनका निधन 11 सितम्बर, 1998 को हृदय गति रुक जाने

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के कारण हो गया । श्री एजाज रिजवी साहब के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य दलों के माननीय नेताओं ने जो अपने विचार रखे हैं मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं । माननीय अध्यक्ष जी, एजाज रिजवी साहब के आसामयिक निधन से निःसन्देह इस प्रदेश की अपूर्णनीय क्षति हुई है । समाज सेवा और सियासत के क्षेत्र में एक सूनापन और खालीपन एजाज साहब के इन्तकाल से आया है । इससे हम सभी बहुत दुखी हैं । हम अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से माननीय एजाज रिजवी साहब को उनके निधन पर खिराजे अकीदत पेश करते हैं और आपसे गुजारिश करते हैं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

* श्री राम जग–

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे खाद्य तथा रसद मंत्री श्री एजाज रिजवी साहब का निधन हो गया । इनके प्रति जो हमारे नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता कांग्रेस, (आई), नेता जनता दल, नेता किसान कामगार पार्टी तथा अन्य नेताओं ने जो-जो शोक सम्वेदनायें व्यक्त की हैं मैं उससे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्री एजाज रिजवी इस सदन के खाद्य तथा रसद मंत्री थे । उन्हें हमने नजदीक से देखा था । वे बड़े योग्य और मृदुभाषी थे और जो उनके विचार थे उनको भुलाया नहीं जा सकता है । उन्होंने जीवन भर समाज की सेवा की । एक गरीब परिवार में पैदा होने के बावजूद उनमें बहुत बड़ी योग्यता, सहनशीलता थी और इन गुणों के रहते जो उन्होंने समाज की सेवा की है उसे इतिहास नहीं भुला सकता है । उनके निधन से अपूर्णनीय क्षति हुई है वह जल्दी पूरी नहीं हो सकती है । आज भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के विधायकगण उनकी मृत्यु से काफी दुखी हैं । हम आपसे आग्रह करते हैं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक सम्वेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

खादी एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री (श्री राजाराम पाण्डेय)–

मान्यवर, मैं अपने को नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता जनतान्त्रिक बसपा, नेता जनतान्त्रिक कांग्रेस, नेता किसान कामगार पार्टी, नेता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, नेता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, नेता जनता दल के विचारों से सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, एजाज साहब से हमारा परिचय बहुत कम समय का था । लेकिन इतने कम समय में उनके अन्दर सहनशीलता, मृदुभाषिता और किसी भी तरह से पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य न करना, पक्ष और विपक्ष की बातों को ध्यान देना यह उनके अन्दर एक बहुत बड़ी खूबी थी । आज हम सब लोगों के बीच में वह नहीं हैं । इनके निधन से उत्तर प्रदेश और सदन को अपूर्णनीय क्षति हुई है । मान्यवर, जनता दल राजाराम पाण्डेय गुट और हमारी शोक संवेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

वन मंत्री (श्री रघुवर दयाल वर्मा)–

मान्यवर, माननीय एजाज रिजवी साहब ने अपने जीवन में परिश्रम को और निष्ठा को सोपान का एक मात्र साधन बनाया था । उसी परिश्रम और निष्ठा के भाव जुड़ने से उन्हें कुशल अधिवक्ता के रूप में हाई कोर्ट में लखनऊ बेंच से यहां पर पहुंचने का अवसर दिया । प्रतिभा के धनी रिजवी साहब राजनीति में इतने शिखर पर आये कि उन्हें इस विधान मण्डल में मंत्री के रूप में सुशोभित होने का अवसर मिला । समाज सेवी रिजवी साहब ने हिन्दुस्तान में राष्ट्र प्रेम की भावना से ओतप्रोत होकर, राष्ट्रीयता के महत्व को समझते हुए, उसके साथ अपनी निष्ठा को जोड़ते हुए जिस प्रकार धर्म निरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त करते हुए तथा भारतीय जनता पार्टी के सभी सिद्धान्तों के प्रति उन्होंने जिस प्रकार से राष्ट्रीय भक्ति में अपना जो अभूतपूर्व सहयोग हमारे देश को दिया वह अपने आप में एक ऐसी कृति है जो हमारे देश में हमेशा याद की जाती रहेगी ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्रीमन्, मुझे उनके साथ रहने का काफी अवसर मिला । 1991 में वे कल्याण सिंह जी के मंत्रि-मण्डल में मंत्री के रूप में सुशोभित हुए और तब से आज तक अनेक समयों पर मंत्री पद पर रहे । और जिस कुशल नेतृत्व के साथ उन्होंने सेवा की उसे प्रदेशवासी हमेशा याद करेंगे । मान्यवर, उनके निधन पर जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और विभिन्न दलों के माननीय नेताओं से व्यक्त किये हैं, उससे अपने को, अपने दल को सम्बद्ध करते हुए अनुरोध है कि सही मायने में आज के दिन हम लोग उनकी जो राष्ट्र भक्ति, राष्ट्र प्रेम और धर्म निरपेक्षता के प्रति जो उनके अन्दर लगन और समाज सेवा की क्षमता थी उनसे प्रेरणा लें । आपस में प्रेम और सद्भाव की भावना पिरोना ही मुल्क की आज जरूरत है । मैं अनुरोध करूंगा कि मेरी और मेरे दल की शोक सम्वेदनायें उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री जगदम्बिका पाल–

मान्यवर, माननीय एजाज रिजवी साहब के आकस्मिक निधन पर जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और सभी दलीय नेताओं ने व्यक्त किये हैं मैं भी अपनी भावनाओं को उनसे सम्बद्ध करते हुए यह निवेदन करना चाहता हूं कि मान्यवर, विश्वास नहीं होता है कि अभी इसी बजट सत्र में एजाज रिजवी साहब इस मंत्रि-परिषद् के मंत्री के रूप में प्रदेश में सार्वजनिक जीवन से जुड़ी हुई ज्वलन्त समस्याओं पर गम्भीरता से उत्तर देते हुए हम लोगों के सवालों का जवाब दे रहे थे । कई बार ऐसे प्रश्न आये गेहूं की खरीददारी से सम्बन्धित प्रश्न था वह बड़ी सहजता से जवाब दे रहे थे । श्रीमन्, आज उनके निधन से न केवल सरकार में या सदन में बल्कि उत्तर प्रदेश के सार्वजनिक जीवन में अपूर्णनीय क्षति हुई है । निःसन्देह वह एक कर्मयोगी व्यक्ति थे और सेल्फमेड मैन थे उन्होंने एक आदर्श प्रस्तुत किया कि छोटा से छोटा कार्य करके एक व्यक्ति एक महान व्यक्ति बन सकता है जिसका उदाहरण अगर कोई थे तो वह एजाज रिजवी साहब थे । एजाज रिजवी साहब के ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री बनने के बाद भी, जो एक गरीब व्यक्ति के दिल में दर्द होता है, जो अभाव की कमियां महसूस होती हैं, उस दर्द का मर्म आज भी उनके हृदय में था । जब वह विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित होकर आये थे, तो मेरी उनसे पहली मुलाकात हुई थी, मेरे उनसे जातीय ताल्लुकात हो गये थे, निश्चय ही वह एक अच्छे इन्सान थे, एक अच्छे दोस्त थे। सार्वजनिक जीवन के, व्यक्तिगत जीवन के रिश्तों को वह बखूबी निभाते थे, कई ऐसे उदाहरण हैं, जिन्हें मैं इस समय कहना नहीं चाहता। यदि कोई 2 बजे रात भी उनके यहां चला गया हो और उन्हें न जगाया गया हो तो सुबह वह फोन से माफी मांग लेते थे या खुद जाकर मिलते थे। उनका जो सार्वजनिक जीवन था वह हम जैसे लोगों के लिये तथा आने वाले कार्यकर्ताओं के लिये अनुकरणीय उदारहण होगा और भविष्य के लिये मानदंड साबित होगा। आज उनके परिवार के लिये लखनऊ में रहने के लिए कोई छत नहीं है, मैं गुजारिश करूंगा कि जिस फ्लैट में वह रहते थे, वह उनके परिवार को आप आवंटित करने की कृपा करें तथा सम्मानित सदन के द्वारा जो शोक संवेदनायें व्यक्त की गई है, उनको उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

*समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री (श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव 'हरीश जी')–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रहे भाई एजाज रिजवी के निधन पर जो शोक संवेदनायें माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता जन०बसपा, माननीय नेता लोक तान्त्रिक कांग्रेस, माननीय नेता राष्ट्रीय कांग्रेस, माननीय नेता किसान कामगार पार्टी, माननीय नेता जनता दल, माननीय नेता कम्युनिस्ट पार्टी, माननीय नेता राष्ट्रीय जनता दल और माननीय जगदम्बिका पाल जी ने प्रकट की हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, मेरे उनके व्यक्तिगत सम्बन्ध थे, इसी नाते आज इस अवसर पर कुछ अवश्य कहना चाहूंगा ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

आत्मा अमर होती है लेकिन इन्सान चला जाता है जो बड़ा कष्टदाई होता है और व्यक्ति के चले जाने का विछोह होता है। उनके शव को कन्धे पर उठाकर जब तख्ते पर रखा तो मैंने उनके चेहरे को खोलकर देखा, मेरे मन में यह आया कि अब न तो हम इनसे बोल पायेंगे न इनको देख पायेंगे, जब मुझ जैसे इन्सान को यह इतना कष्ट दे सकता है तो जो परिवारजन उनके साथ सदा जीवन बिताते आ रहे हैं, उनके लिए कितना कष्टदाई होगा ? मेरी प्रार्थना है कि ईश्वर उनके दुखी परिवारजनों को कष्ट को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। वह एक संस्था के रूप में थे, वह एक गरीब परिवार के भले हों, लेकिन उनकी योग्यता, प्रतिभा ऐसी थी कि हम लोग भी उससे प्रभावित हुए और उनके नजदीक आने का प्रयत्न किया, उन सभी बातों को यहां माननीय नेताओं ने कहा है। उर्दू, हिन्दी, फारसी, अंग्रेजी सभी भाषाओं को समान रूप से बोलने, लिखने की उनमें योग्यता थी, वह एक अच्छे विद्वान थे। उनकी पत्नी लखनऊ विश्वविद्यालय में फारसी की प्रोफेसर हैं तथा उनकी लड़की भी उर्दू विषय की रीडर हैं, इस नाते वह एक शिक्षाविद् परिवार के थे, उनके जाने का सबको दुख है। मान्यवर, नगर पालिका सदस्य के रूप में एक छोटे स्थान से उन्होंने अपना जीवन प्रारम्भ किया था और अपनी योग्यता और सम्पर्क के बल पर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री के स्थान तक गये वे तीन बार विधान परिषद् के सदस्य रहे उनमें बहुत सी बातें हमने देखी एक विशेष बात जो थी वह राष्ट्र के प्रति समर्पित थे। और पन्थ निरपेक्षता की जितनी चर्चा आज होती है उसमें वह सबसे ऊपर थे। वह मनुष्य को एक जाति के रूप में देखते थे। उनका मानना था कि मनुष्य का किसी पन्थ से नहीं उसके कर्मों से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यही कारण था कि वह बहुत लोकप्रिय बने। आज उनके जाने से सभी को कष्ट होना स्वाभाविक है। मैं उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनके शोक संतप्त परिवार को इस महान कष्ट को सहन करने की शक्ति दे। मान्यवर, हमारी शोक संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। मैं उनके प्रति इन शब्दों के साथ शोक संवेदना अर्पित करता हूं।

श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता सदन, माननीय नेता विपक्ष तथा अन्य नेतागणों एवं अन्य माननीय बन्धुओं ने स्वर्गीय एजाज रिजवी साहब के प्रति जो संवेदना व्यक्त की है मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं वह मेरे अभिन्न मित्र थे हम लखनऊ के भाजपा के जितने कार्यकर्ता हैं सबका स्व० एजाज रिजवी साहब से निकट का संबंध था। मैं उन लोगों में से एक हूं जिन्होंने माननीय एजाज रिजवी साहब को चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की स्वतन्त्र पार्टी से निकालकर भारतीय जनसंघ की सदस्यता ग्रहण करायी थी। 1965 में मेरा उनसे निकट का संबंध अधिवक्ता के रूप में आया था। जब मैंने लखनऊ बार की सदस्यता ग्रहण की थी तथा सचिव चुना गया वह भी अधिवक्ता थे हम लोगों का उनसे पारिवारिक संबंध था। जनसंघ में आने के बाद उन्होंने बड़ी निष्ठा और लगन के साथ एक कार्यकर्ता के रूप में सराहनीय कार्य किया। जब वे जनसंघ के सदस्य बने तो उनके गोलागंज स्थित निवास पर अनेक लोगों ने पत्थर फेंके और कहा कि तुम मुसलमान होकर जनसंघ में क्यों गये लेकिन वे इससे विचलित नहीं हुए और पार्टी नहीं छोड़ी और सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में निष्ठा से कार्यरत रहे। जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी ने उनकी निष्ठा को देखकर उनको नगर अल्पसंख्यक मोर्चे का अध्यक्ष फिर बाद में अल्पसंख्यक मोर्चे का प्रदेश अध्यक्ष और उसके बाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। वह अल्पसंख्यक समुदाय के एक नेता के रूप में उभर कर आये। वह राष्ट्र भक्त मुसलमान थे जब कभी वे अखबारों में पढ़ते या किसी से सुनते कि भारत माता को डाइन कहा, जब कभी तिरंगा झण्डा जलाया गया अथवा वन्दे मातरम् गीत का विरोध किया गया या कोई राष्ट्र के प्रति अपमानजनक शब्द कहा गया तो उनकी आत्मा कराह उठती थी और वह कहते थे कि ये कौन लोग हैं जो भारत माता को जिसका मतलब मादरेवतन होता है को इस प्रकार कलंकित कर रहे हैं ऐसे लोग किसी के नहीं हो सकते उनमें राष्ट्र प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी थी उनके निधन से लखनऊ ने और भारतीय जनता पार्टी ने एक समर्पित कार्यकर्ता खो दिया है लखनऊ के लाखों-लाख जनता तथा कार्यकर्ता उनके निधन से शोक-विह्वल हैं। मैं उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और कहना चाहूंगा :–

मिट गये वे साजे हस्ती छेड़ कर,
अब तो बस आवाज ही आवाज है।

श्री अध्यक्ष–

विधान परिषद् के सदस्य तथा प्रदेश के खाद्य मंत्री माननीय एजाज रिजवी का एक सप्ताह पूर्व निधन हो गया। श्री एजाज रिजवी को मैं व्यक्तिगत रूप से अनेक वर्षों से जानता था, एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में, अधिवक्ता के रूप में, एक विधायक के रूप में और प्रदेश के मंत्री के रूप में मैंने उनको कार्य करते देखा है। सत्यनिष्ठा, समर्पण, धर्म निरपेक्षता की भावना ने एक निर्धन परिवार में जन्म लेने के पश्चात् उन्होंने मंत्रिपद सुशोभित किया। एक समर्पित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में मैंने उन्हें जाना और देखा कि उनके अन्दर दल के प्रति पूरी निष्ठा है और इसी से पार्टी ने उन्हें उच्च सम्मान दिया। मुझे एक घटना याद आ रही है। आज से 4 माह पहले उ० प्र० से राष्ट्रकुल संसदीय प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य के रूप में वे मेरे साथ गये थे, कई अन्य सदस्य भी उनमें थे। पेरिस में जब वे थे वहां भारत के लोगों ने भारत के अल्पसंख्यकों के बारे में प्रश्न पूछा था। तो श्री रिजवी जी ने 20 मिनट के अपने भाषण में जिस प्रकार से अल्पसंख्यकों की जो समस्या थी उसके निराकरण का उल्लेख किया और अपना जो मत रखा उससे वहां के लोग बहुत प्रभावित हुए थे और हम लोग भी प्रभावित हुए कि उनके इतने स्पष्ट विचार हैं। उनके निधन से हम सभी को हानि हुई है उत्तर प्रदेश के मंत्री के रूप में जिस प्रकार उन्होंने काम किया वह उल्लेखनीय है। उनके संबंध में माननीय नेता सदन, माननीय नेता विरोधी दल और माननीय अन्य नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं उनसे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं और आप सभी की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचा दूंगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को वह शान्ति प्रदान करें और उनके परिवार को इस क्षति को वहन करने की शक्ति प्रदान करें।

(सभी सदस्य दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट मौन खड़े हुए।)

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यगण श्री राम स्वरूप वर्मा, श्री रईसउद्दीन बारिसी तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

श्रीमन्, इस सम्मानित सदन के पूर्व सदस्य माननीय राम स्वरूप वर्मा हमारे बीच में नहीं रहे। 19 अगस्त, 1998 को 75 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जन्म कानपुर देहात में 22 अगस्त, 1923 को हुआ था। शिक्षा की दृष्टि से उन्होंने एम०ए०, एल०एल०बी० डिग्री प्राप्त किया था। इस सदन के वह 6 बार सदस्य निर्वाचित हुए–1957, 1967, 1969, 1980, 1989 और 1991 में वह निर्वाचित हुए थे। श्रीमन्, कई बार वह आन्दोलन में जेल भी गये। इस प्रदेश के बहुत ही योग्य वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने काम किया था। वह वर्मा अर्जक संघ के संस्थापक थे। उन्होंने सदैव दलितों, शोषितों, पिछड़ों एवं वंचितों के कल्याण के लिए संघर्ष किया। सामाजिक कार्यकर्ता के नाते वह एक क्रान्तिकारी नेता सिद्ध हुए। समाज की विसंगतियों और विकृतियों के विरुद्ध उन्होंने काम किया और विशेष रूप से समाज में व्याप्त गैर बराबरी विकृति के विरुद्ध वह सदैव उद्वेलित और आन्दोलित रहते थे और जब कभी कमजोर, शोषित लोगों के विरुद्ध अत्याचार देखते थे तो उनका विद्रोही मन एकदम प्रतिक्रिया व्यक्त करता था और यही नहीं उसके अनुसार वह काम भी किया करते थे। उनके उठ जाने से उत्तर प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिक नेता खो दिया और एक ऐसा नेता खो दिया जिसने सामाजिक समता, सामाजिक अन्याय और शोषण के विरुद्ध हमेशा कार्य किया। मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी संवेदना को पहुंचाने की कृपा करें।

श्रीमन्, दूसरे पूर्व सदस्य श्री रईसउद्दीन बारसी का निधन 84 वर्ष की आयु में गत 27 अगस्त, 1998 को हो गया। उनका जन्म 7 जून, 1914 को हुआ था। वह दो बार इस सम्मानित सदन के सदस्य रहे। 1967 में और 1980 में वह सदस्य रहे। वे टाउन एरिया के चेयरमैन और अन्य कई सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारी रहे। उनके निधन से हमने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है। मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके प्रति हार्दिक शोक सम्वेदना व्यक्त करता हूं, श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी यह शोक सम्वेदना उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्रीमन्, एक और पूर्व सदस्य श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी का निधन 8 सितम्बर, 1998 को हुआ। उनका जन्म 4 मार्च, 1931 को जनपद देवरिया में हुआ था। वह इस सदन के 4 बार सदस्य निर्वाचित हुए। 1962, 1967, 1969, 1985 में वह इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए थे। कई सामाजिक संस्थाओं से, कई शैक्षिक संस्थाओं से वह जुड़े रहे 1956 में जब छोटी गण्डक में बाढ़ आयी तो उन्होंने अपने जीवन को खतरे में डालकर उन्होंने कई लोगों की जान बचायी और इसके लिए उन्हें 'प्राण रक्षा पदक' से सम्मानित किया गया था। श्रीमन्, उनके निधन से प्रदेश ने एक अच्छा राजनीतिज्ञ, एक अच्छा समाजसेवी खो दिया है। हम उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और आपसे प्रार्थना करते हैं कि हमारी यह शोक सम्वेदनायें उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

नेता विरोधी दल (श्री धनीराम वर्मा)–

श्रीमन्, स्वर्गीय राम स्वरूप जी वर्मा, स्वर्गीय रईसउद्दीन वारसी और स्वर्गीय अवधेश प्रताप मल्ल जी के निधन के संबंध में जो शोक सम्वेदना माननीय नेता सदन ने प्रस्तुत की हैं मैं अपने को उनसे सम्बद्ध करता हूं। मैं कहना चाहता हूं और इस आधार पर कहना चाहता हूं कि हानि लाभ जीवन मरण, यश अपयश विधि हाथ। इस आधार पर मैं कहना चाहता हूं कि यह जीवन हमारे हाथ में नहीं है। वह परमपिता परमात्मा जिसे हम अज्ञात शक्ति के रूप में पहचानते हैं, मानते हैं उसके हाथ में है। वह इस सांसारिक रंगमंच का मालिक है। उसके जरिये संसार के सारे प्राणी सांसारिक कार्य कलाप में संलग्न रहते हैं। जब तक उसकी इच्छा होती है तब तक वह यहां रहने के लिए अपनी आज्ञा देता है जब उसकी इच्छा होती है कि प्राणी की आवश्यकता इस संसार के लिए नहीं है, उसकी समझ में, हमारी समझ में कुछ भी हो तब वह अपने पास बुला लेता है। श्रीमन्, स्व० राम स्वरूप वर्मा हमारे बीच में आज नहीं हैं वह सदन के 6 बार माननीय सदस्य रहे। सर्व प्रथम 1957 में सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर वह विधायक चुने गये। उनकी विचारधारा गरीब, शोषित, पिछड़ा और दलित को आगे बढ़ाने की सदैव रही और इस विचार धारा को अंजाम देने के लिए अनेक वर्षों तक कार्य किया और कई आन्दोलनों में जेल भी गये। डी०आई०आर० और मीसा में भी निरुद्ध किये गये। हमारे वह पड़ोसी थे कई बार उनसे हमारा विचार विमर्श भी हुआ मैं उस विचार के बारे में मैं यह कह सकता हूं कि उनके विचार ओरिजनल थे किसी से उधार लेकर वह अपनी बात नहीं कहते थे। इसी विचारधारा के आधार पर उन्होंने अर्जक संघ की स्थापना की। कमेरों को अधिकार दिलाने के लिए उनको आगे बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद वह काम करते रहे। हालांकि स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह अपनी बात को अधिक प्रचारित नहीं कर सके। संघर्ष को गति नहीं दे सके लेकिन जो भी उन्होंने प्रयास किया उसने कमेरों को आगे बढ़ाने का काम किया। उनका कहना यह था कि जब तक इस देश के कमेरे आगे नहीं बढ़ेंगे देश और प्रदेश आगे नहीं बढ़ेगा। कमेरों की दुर्दशा जब तक बनी रहेगी तब तक इस प्रदेश की दुर्दशा बनी रहेगी। इस विचार को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने आजीवन प्रयास किया। आज वह हमारे बीच नहीं हैं लेकिन निश्चित तौर से कानपुर देहात के लोग ही नहीं इस प्रदेश के लोग ही नहीं इस देश के लोग इस नाम को पुकारेंगे। इस बात के लिए जरूर नाम लेंगे कि उन्होंने कमेरों को आगे बढ़ाने के लिए जीवन पर्यन्त काम किया। श्री वर्माजी यद्यपि आज हमारे बीच नहीं हैं फिर भी उनके विचार, उनके कार्य, उनके आदर्श हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। उनसे प्रेरणा लेकर हम दलितों, शोषितों, गरीबों को, कमेरों को आगे बढ़ाने का काम करते रहेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी ओर से और

अपने दल की ओर से उनकी स्व० आत्मा के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको शाश्वत शान्ति और उनके परिवारीजनों को, वैसे तो जहां तक मुझे जानकारी है उनके बच्चे नहीं हैं फिर भी उनको धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करे और आपसे अनुरोध करूंगा कि हमारे यह विचार उनके परिवारीजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

(श्री अध्यक्ष द्वारा नेता बहुजन समाज पार्टी का नाम पुकारे जाने पर वह सदन में उपस्थित नहीं थे ।)

लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियन्त्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द)–

मान्यवर, श्री राम स्वरूप वर्मा जी का 19 अगस्त, 1998 को निधन हो गया और इनका जन्म 22 अगस्त, 1923 को कानपुर में हुआ था । वह 1957 में पहली बार सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य के रूप में चुनकर इस विधान सभा में आये थे । इसके बाद वह 1967, 1969, 1980, 1989 तथा 1991 में चुनकर इस विधान सभा में आये । श्री वर्मा जी पिछड़े वर्ग में काफी लोकप्रिय थे और उनके बीच में काम करते थे । उन्होंने अपने कार्यकाल में अर्जक संघ की स्थापना की । उनकी पूरी शक्ति दलित, शोषित तथा पिछड़े वर्ग की सेवा में लगी रहती थी । श्री वर्मा जी अपने जीवन के अन्तिम समय में लखनऊ में पार्क लेन में रहते थे । मुझे प्रायः जब वह सुबह सड़क पर टहलने जाते थे तो अपने पुराने समय में पिछड़े वर्ग के लिए उन्होंने जो काम किये थे उन विषयों पर वह चर्चा किया करते थे । 1980 की विधान सभा में मैं भी इस सदन का सदस्य था, श्री वर्मा जी कुछ ऐसे अपने निजी संकल्प प्रस्तुत किया करते थे, जो विधायकों के आचरण के सम्बन्ध में हुआ करते थे । उनका विचार मितव्ययता की तरफ ज्यादा चिन्तन में लगा रहा था । मुझे याद है कि 1980 में विधायकों को स्वास्थ्य के लिए जो सुविधा मिलती थी और विधायकों को स्थानीय क्रय से जो दवाइयां मिलती थीं, उसे उन्होंने जोड़कर बताया कि एक साल में एक विधायक पर कितना खर्च आता है, उसमें उन्होंने एक बहुत ही अच्छा तथा संतुलित संशोधन प्रस्तुत किया । मुझे स्मरण है कि उसी समय से चिकित्सा भत्ते का संकल्प और नियम इस विधान सभा में पारित हुआ । संविद सरकार में वह वित्त मंत्री थे । इस प्रकार उनका सारा जीवन पिछड़े वर्ग की सेवा में लगा रहा । आज वह हमारे बीच में नहीं हैं । कानपुर और विशेषकर पिछड़े वर्ग के एक अच्छा समाज सेवी के निधन से जो रिक्ति हुई है वह अपूर्णनीय है उनके निधन पर माननीय नेता सदन तथा माननीय प्रतिपक्ष के नेता ने जो संवेदनायें प्रकट की हैं, उससे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपसे निवेदन करता हूं कि मेरे और मेरे दल की ये श्रद्धांजलि उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । मान्यवर, इस विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य.....

(माननीय सदस्यों के आपस में बातचीत करने पर)

श्री अध्यक्ष–

बहुत दुःख की बात है कि निधन के निदेश हो रहे हैं और आप लोग बातचीत कर रहे हैं । कृपया इस समय शान्त रहें । माननीय मंत्रीगण से अनुरोध है कि कृपया सदस्यों को इस समय शान्त रखें ।

श्री मारकण्डेय चन्द–

मान्यवर, इस विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रईसउद्दीन वारसी का 27 अगस्त, 1998 को निधन हो गया । उनका जन्म मुरादाबाद में 7 जून, 1914 को हुआ था । वे इस विधान सभा के 67 व 68 में सदस्य थे । वे सहकारिता आन्दोलन से, सहकारिता क्षेत्र के काम से जुड़े हुए थे । जिला सहकारी बैंक मुरादाबाद के संचालक व मार्केटिंग सोसाइटी के अध्यक्ष थे । इस समय उनका निधन ज्योतिबा फूलेनगर में हुआ । अभी कुछ महीने पहले मुरादाबाद में मेरी उनसे मुलाकात हुई थी । आज भी वे ऐसे क्षेत्र के लोगों के विषय में चिन्ता करते थे जो निर्बल वर्ग के थे जिन्हें सहकारी क्षेत्र में विशेष सुविधा की

आवश्यकता थी । उनके निधन से सहकारिता के क्षेत्र में, राजनैतिक क्षेत्र में जो कमी आयी है वह पूरी करना सम्भव नहीं है । मैं नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष द्वारा जो शोक सम्वेदनायें व्यक्त की गयी हैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि मेरे व मेरे दल की ओर से शोक सम्वेदनायें उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

मान्यवर, श्री अवधेश प्रसाद मल्ल का निधन 8 सितम्बर, 1998 को हो गया । उनका जन्म 4 मार्च, 1931 को मझौली राज देवरिया में हुआ था । वे मझौली के राजा के नाम से प्रसिद्ध थे किन्तु वे समाजवादी आन्दोलन से जुड़े हुए थे । देवरिया के विख्यात, कर्मठ, समाजसेवी नेता बाबू बेदा सिंह से उनकी अन्तरंगता थी । उनके साथ वे सामजिक आन्दोलन में कार्य करते थे । 1956 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से आने के बाद 1956 में जब भयंकर बाढ़ आयी थी तो उन्होंने कठिन परिश्रम किया था जिसके लिए उन्हें 'प्राण रक्षा पदक' से सम्मानित किया गया था । 'प्राण रक्षा पदक' प्राप्त करने के बाद उनकी रुचि सामाजिक सेवा में और बढ़ गयी । वे सर्वप्रथम 1962 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य चुने गये । 1967, 1969 और 1985 में वे इस विधान सभा के सदस्य थे । आज वे हमारे बीच में नहीं हैं । देवरिया तथा विशेषकर मझौली क्षेत्र के एक ऐसे समाजसेवी के निधन से अपूर्णनीय क्षति हुई है । मान्यवर, नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष ने जो शोक सम्वेदनायें व्यक्त की हैं उससे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि मेरे व मेरे दल की ओर से श्रद्धांजलि उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

ऊर्जा मंत्री (श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल)–

श्रीमन्, पूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप वर्मा, रईसउद्दीन वारसी एवं श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी हमारे बीच नहीं रहे । माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य माननीय नेताओं ने जो शोक सम्वेदनायें व्यक्त की हैं उनसे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्री राम स्वरूप वर्मा 6 बार इस विधान सभा के सदस्य रहे । तीन बार हमें भी मौका मिला उनके साथ इस विधान सभा में रहने का । सामाजिक आन्दोलन में उनकी अग्रणी विचारधारा नई दिशा देती है । समाजवादी आन्दोलन में उनको जेल में सजा या जुर्माना देने को कहा गया उन्होंने जुर्माना अदा नहीं किया सजा काटने का निश्चय किया वह दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे । उन्होंने इस विधान सभा में दलित शोषित लोगों के नेता के रूप में अपने को रखा । इसी तरह रईसउद्दीन वारसी दो बार इस विधान सभा के सदस्य रहे । सन् 1980 में वह प्रथम बार इस विधान सभा के सदस्य चुनकर आये उनकी विचारधारा से हमें भी अवगत होने का मौका मिला । कृषि एवं सहकारिता के क्षेत्र में विशेष रूप से उनकी रुचि थी । तमाम पदों पर आसीन रहने के बाद कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटी के अध्यक्ष भी रहे । उनके निधन से कृषि सहकारिता के क्षेत्र में अपूर्णनीय क्षति हुई है । श्री अवधेश प्रताप मल्ल इस विधान सभा के चार बार सदस्य रहे । वह एक साहसी व्यक्ति थे उन्होंने उत्तर प्रदेश को नई दिशा प्रदान की । जिस प्रकार वह गरीबों की सेवा करने में लगे रहे उससे ऐसा लगता था वह अपने को समाज में सेवक के रूप में देखना चाहते थे । उनके निधन से इस प्रदेश में अपूर्णनीय क्षति हुई है । उसको पूरा नहीं किया जा सकता है । आप हमारी तथा हमारे दल की ओर से शोक संवेदनायें तीनों परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री प्रमोद कुमार–

श्री राम स्वरूप वर्मा, श्री रईसउद्दीन वारसी तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता विपक्ष तथा अन्य नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं उनसे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्री राम स्वरूप वर्मा जी इस प्रदेश के मंत्री भी रहे तथा सन् 1967–69–80–89 तथा 1957 में वह इस विधान सभा के सदस्य रहे 1957 में उन्होंने इस सम्मानित सदन का गौरव बढ़ाया । 6 बार वह इस विधान सभा के सदस्य रहे यह इस बात का गवाह है कि वह अपने क्षेत्र में कितने लोकप्रिय थे । उनके निष्पक्ष विचारों से उनकी निर्भीकता से हमें सदैव प्रेरणा मिलेगी । हम अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । श्री रईसउद्दीन वारसी साहब कांग्रेस के टिकट पर मुरादाबाद से चुने गये वह जीवन भर गरीबों की सेवा

में लगे रहे । समाज कल्याण और सहकारिता के क्षेत्र में उनकी सेवायें मुरादाबाद क्षेत्र में याद की जायेंगी । वह इस सम्मानित सदन के चार बार सदस्य रहे । उनके न रहने से जनता को आघात पहुंचा है । उन्होंने शारीरिक रूप से भी स्वयं को समाज सेवा के लिए प्रस्तुत किया गण्डक नदी में बाढ़ आयी तो उनकी सेवा से कई लोगों की जानें बचाई जिससे उनको प्राण-रक्षा पदक से भी सम्मानित किया गया । एक सम्पन्न परिवार में जन्म लेकर भी गरीबों की लड़ाई लड़कर उन्होंने एक उदाहरण पेश किया है । मैं अपनी तरफ से तथा अपने दल की तरफ से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं । और आपसे यह आग्रह करता हूं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनायें तीनों शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

श्री समरपाल सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय श्री राम स्वरूप वर्मा जी, श्री रईसउद्दीन वारसी तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी के बारे में जो शोक संवेदनायें माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा दूसरे दलों के नेताओं ने प्रकट की हैं मैं उससे अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । माननीय श्री राम स्वरूप वर्मा जी समाजवादी आन्दोलन के नेता थे । वे इस सदन के 6 बार सदस्य रहे, मंत्रि-परिषद् के भी सदस्य रहे और जीवन भर दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए संघर्ष करते रहे । वे एक विचारवान और चिन्तक थे उन्होंने एक अर्जक संघ की स्थापना की थी जिसका उद्देश्य समाज के शोषित वर्ग के लोग, जिनका कि शोषण होता रहा है, उनके लिए संघर्ष करना था और वे उनके लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे । आज वे हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनके विचार हमारे साथ हैं और वे सदैव हमें प्रेरणा देते रहें । इसी प्रकार से श्री रईसउद्दीन वारसी दो बार इस सम्मानित सदन के सदस्य रहे । श्री अवधेश प्रताप मल्ल इस सम्मानित सदन के चार बार सदस्य रहे । इन तीनों माननीय सदस्यों के निधन से राजनीतिक और सामाजिक जीवन में जो क्षति हुई हैं वह अपूर्णनीय है । मैं अपनी तरफ से तथा अपने दल की तरफ से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक सम्वेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

माननीय अध्यक्ष जी, श्री राम स्वरूप वर्मा, श्री रईसउद्दीन वारसी तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा सभी दलों के माननीय नेताओं द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । माननीय अध्यक्ष जी, श्री राम स्वरूप वर्मा जी न केवल उत्तर प्रदेश के समाजवादी आन्दोलन के क्षेत्र में बल्कि सम्पूर्ण देश के समाजवादी आन्दोलन के क्षेत्र में अगली कतार के नेता थे । वह स्वर्गीय डा० राम मनोहर लोहिया, श्री जय प्रकाश नारायण व आचार्य नरेन्द्र देव के विचारों के वाहक थे । वे इस सदन के 6 बार सदस्य रहे और 1967 में जब संविद की सरकार थी तो उस समय वे तत्कालीन सरकार के वित्त मंत्री थे । श्री राम स्वरूप वर्मा जी सम्पूर्ण जीवन भर समाज परिवर्तन की लड़ाई अपनी पूरी ऊर्जा के साथ लड़ते रहे । उनके मन में शोषित समाज के प्रति पीड़ा थी और वे जीवन भर उनके बीच में अलख जगाकर सामाजिक समरसता की लड़ाई लड़ते रहे । उनका लक्ष्य क्षमता मूलक शोषण मुक्त समाज की स्थापना करना था । उनके निधन से न केवल उत्तर प्रदेश के समाजवादी आन्दोलन को बल्कि सम्पूर्ण देश के समाजवादी आन्दोलन की अपूर्णनीय क्षति हुई है । हम उनकी मृत्यु पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं । श्री रईसउद्दीन वारसी इस सदन के दो बार सदस्य रहे । उनके असामयिक निधन से मुरादाबाद तथा उत्तर प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में जो अपूर्णनीय क्षति हुई है उसकी भरपाई करना मुश्किल है । उनके निधन पर हम अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं । श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी हमारे जनपद के रहने वाले थे । ब्रितानी हुकुमत में मझौली स्टेट इस इलाके में सबसे बड़ी स्टेट थी । मान्यवर, श्री मल्ल जी स्वयं राजा थे । मान्यवर, वे डा० राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और आचार्य नरेन्द्र देव और स्थानीय स्तर पर गेंदा सिंह जी और उग्रसेन जी के विचारों से काफी प्रभावित होकर समाजवादी दल में सक्रिय हुए तथा उसी के चलते वे पहली बार प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए । उसके बाद तीन बार कांग्रेस के टिकट पर इस सदन के सदस्य रहे । राज परिवार के होते हुए भी जीवन भर कमजोर तबके की तरक्की में उन्होंने

अपनी ताकत लगायी । श्री मल्ल जी के आकस्मिक निधन से न केवल देवरिया में बल्कि प्रदेश की राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र में एक शून्यता आयी है । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि इन दिवंगत आत्माओं के शोक संतप्त परिवारों तक मेरी शोक संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें ।

* श्री राम जग–

मान्यवर, इस सदन के पूर्व सदस्य स्वर्गीय राम स्वरूप वर्मा जी, रईसउद्दीन वारसी साहब और स्वर्गीय अवधेश प्रताप मल्ल इन तीनों पूर्व सदस्यों के निधन से प्रदेश को जो अपूर्णनीय क्षति हुई है और उनके प्रति जो भी सम्वेदना के भाव माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य माननीय नेताओं ने व्यक्त किये हैं । मैं उनसे अपने को और अपनी पार्टी को सम्बद्ध करता हूं ।

मान्यवर, इन तीनों पूर्व विधायकों के बारे में हमारे साथियों ने बताया इसमें मैं स्वर्गीय श्री राम स्वरूप वर्मा जी को बहुत ही व्यक्तिगत रूप से जानता था उस समय मैं यहां पर एल०एल०बी० का छात्र था । वे अर्जक अखबार निकालते थे मैं वह अखबार पढ़ने जाता था, मैंने उनको नजदीक रहकर देखा । वे उत्तर प्रदेश की एकता के पक्षधर थे बटवारे के पक्षधर नहीं थे वे कहते थे कि प्रदेश का विकास बटवारे से नहीं हो सकता है यदि कोई क्षेत्र किन्ही कारणों से पिछड़ा है तो उसके पिछड़ेपन को दूर किया जाय । वे चाहते थे कि शोषितों, दलितों को अधिकार दिया जाय, भूमि सुधार लागू हो, कमजोर तबके की बेहतरी के लिए योजनायें चलायी जायं । वह आज हमारे बीच नहीं हैं उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तभी कही जायेगी जो राष्ट्रीय स्तर पर शोषितों, दलितों के अग्रणीय नेता थे । और प्रदेश की एकता राष्ट्रीय एकता के संबंध में अपने विचार लेखों के माध्यम से लिखते रहे । आज हम उनके विचारों से अपने को जोड़ते हुए प्रदेश की एकता को बनाये रखें और बटवारे का कोई काम न करें ।

हमारे दो नेता सोशलिस्ट पार्टी के रहे राज घराने के रहे बाद में कांग्रेस के विधायक के रूप में भी सदन में आये, लेकिन उन्होंने सदैव धर्म निरपेक्षता के सिद्धान्तों और नीतियों के बारे में अपने विचार रखे । उनकी सेवायें जो गरीबों के लिए, मजदूरों के लिए, दलितों के लिए रहीं इतिहास सदैव उनको याद करेगा ।

मान्यवर, इस विधान सभा के पूर्व विधायकों जिनका कि निधन हुआ है उनके निधन से हमारी पार्टी के विधायक और हम लोग दुःखी हैं आपसे निवेदन करते हैं कि हमारी शोक सम्वेदनायें उनके परिवारजन तक पहुंचाने की कृपा करें ।

खादी एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री (श्री राजाराम पाण्डेय)–

मान्यवर, पूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप वर्मा जी, श्री रईसउद्दीन वारसी तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी इस दुनिया में नहीं हैं, उन सभी के निधन पर हम अपनी शोक सम्वेदना प्रकट कर रहे हैं । मैं और मेरी पार्टी माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता राष्ट्रीय कांग्रेस, माननीय नेता जनतान्त्रिक बसपा, माननीय नेता लोक तान्त्रिक कांग्रेस, माननीय नेता किसान कामगार पार्टी, माननीय नेता जनता दल के विचारों से अपने को सम्बद्ध करता हूं । मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूं कि इन तीनों भूतपूर्व दिवंगत सदस्यों के परिवारजनों तक मेरी और मेरी पार्टी की शोक सम्वेदनायें पहुंचाने की कृपा करें ।

वन मंत्री (श्री रघुवर दयाल वर्मा)–

मान्यवर, माननीय नेता सदन तथा माननीय नेता विपक्ष व विभिन्न दल के माननीय नेताओं ने माननीय श्री राम स्वरूप वर्मा, माननीय श्री रईसउद्दीन वारसी तथा माननीय श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी के निधन पर जो शोक सम्वेदनायें प्रकट की हैं, उनसे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । माननीय राम स्वरूप वर्मा जी शुरू में सोशलिस्ट पार्टी से जुड़े, वह एक अच्छे विचारक, विवेकशील,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

सिद्धान्तों के धनी, लेखनी के धनी, अभूतपूर्व प्रतिभा के व्यक्ति थे । उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक चेतना जगाने के लिए "अर्जक" नामक समाचार-पत्र की स्थापना की, उसके बाद उन्होंने एक राजनीतिक दल का गठन भी किया । वह अत्यन्त योग्य व्यक्ति थे, उनके निधन से अपूर्णनीय क्षति हुई है, मुझे उनके निधन से हार्दिक तकलीफ है । श्री रईसउद्दीन वारसी तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल जी भी बहुत योग्य और विद्वान सदस्य थे । इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरी और मेरे दल की शोक सम्वेदनायें उनके शोकाकुल परिवारों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री अध्यक्ष–

इस सदन के तीन भूतपूर्व सम्मानित सदस्यों का निधन पिछले डेढ़ माह में हो गया । श्री राम स्वरूप वर्मा और श्री रईसउद्दीन वारसी का निधन पिछले अगस्त माह में तथा श्री अवधेश प्रताप मल्ल की मृत्यु इसी सितम्बर माह में हो गयी । तीनों माननीय सदस्यों ने समय-समय पर अपने कार्यकाल में इस सदन की, प्रदेश की बहुमूल्य सेवा की । श्री राम स्वरूप वर्मा जी समाजवादी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध थे, सम्मिलित सरकार में मंत्री भी रहे, पिछड़ों के कल्याण के लिए उन्होंने हमेशा कार्य किया । श्री रईसउद्दीन वारसी पहले कांग्रेस के टिकट पर और उसके बाद जनता एस के टिकट पर इस सदन में चुनकर आये थे, वह टाउन एरिया के चेयरमैन थे, जिला परिषद् के सदस्य थे, जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर थे । श्री अवधेश प्रताप मल्ल भी समाजवादी विचारधारा के थे, उनके अन्दर साहस कूट-कूटकर भरा था, इसके लिए उन्हें प्राण रक्षा पदक भी दिया गया था । इन तीनों भूतपूर्व सदस्यों के निधन से हम सभी दुःखी हैं । माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा दूसरे विभिन्न दल के नेताओं ने जो शोकोद्गार इनके निधन के सम्बन्ध में प्रकट किये हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शान्ति दे और उनके शोक संतप्त परिवारों को इस कष्ट को सहन करने की शक्ति दे । सबकी शोक संवेदनाओं को मैं उनके परिवारजनों तक पहुंचा दूंगा । हम सब इन आत्माओं की शान्ति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करें ।

(सभी सदस्य दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए दो मिनट मौन खड़े हुए ।)

श्री अध्यक्ष–

कृपया स्थान ग्रहण करें । अब हम उठते हैं 22 सितम्बर, 1998 को 11 बजे पुनः मिलेंगे ।

(इसके बाद सदन 12 बजकर 32 मिनट पर मंगलवार दिनांक 22 सितम्बर, 1998 को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया ।)

लखनऊ :
18 सितम्बर, 1998

प्रेम चन्द्र सक्सेना,
सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश ।

पी०एस०यू०पी०–एल० 286 विधान सभा (423)–1998–8 (डीटी०पी०) ।